समलैंगिकता के खिलाफ धर्मोपदेशक

अक्तूबर 2001 में हैरी हैमंड नामक एक इवैंजेलिकल ईसाई धर्मोपदेशक ने एक पोस्टर आयोजित किया जिस पर कहावत थी "बंद करो अनैतिकता, बंद करो समलैंगिकता, बंद करो समलैंगिकता।" जब हैमंड ने रोकने से इनकार कर दिया, एक पुलिसकर्मी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। टिमोथी गर्तोन ऐश इस शिक्षाप्रद मामले पर चर्चा करते है।

अक्तूबर 2001 में हैरी हैमंड नमक एक इवैंजेलिकल ईसाई धर्मोपदेशक ने बोर्नमाउथ, इंग्लैंड में एक वर्ग में उपदेश देना शुरू किया। उन्होंने एक पोस्टर आयोजित किया जिस पर कहावत थी "बंद करो अनैतिकता, बंद करो समलैंगिकता, बंद करो समलैंगिकता." यह शब्द, "जीसस प्रभु है" प्रत्येक कोने पर अंकित किये गए थे। एक उफनता हुई भीड़ उसके पास इकट्ठा हुई, बहस करती हुई, चिल्लाती हुई और उस पर मिट्टी भी फेंकती हुई। एक समय पर किसी ने उसके पोस्टर को खींचने की कोशिश की जिसकी वजह से वह पीछे की ओर गिर गया।

जब हैमंड ने रोकने से इनकार कर दिया एक पुलिसकर्मी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में वह ब्रिटेन के पब्लिक डिसऑर्डर एक्ट 1986 के सेक्शन 5 के तहत अपराध के लिए दोषी पाया गया था, जो "कोई भी लेखन, संकेत या अन्य दृश्य प्रतिनिधित्व, जो धमकानेवाला, निन्दात्मक या अपमानजनक है एक व्यक्ति की सुनवाई या दृष्टि के भीतर, जिसके कारण उत्पीड़न अलार्म, या संकट होने की संभावना" के किसी भी प्रदर्शन को वर्जित करता है। सजा अपील पर सही ठहराया गया इस आधार पर कि हैमंड के शब्द "अपमानजनक" थे हालांकि अपील के अदालत ने कहा कि हिस्ताक्षर का संदेश "व्यक्त असंयमी भाषा में नहीं था".

प्रकाशित:March 22, 2012